जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 28 संख्याः 182 प्रभात अजमेर, बुधवार 31 जनवरी, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'हमारी सरकार न पर्ची की है और न खर्ची की, यह धरती और धरती पुत्रों की है'

मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के अभिभाषण पर 2 घंटे जमकर जवाब दिया और विपक्ष को निरूत्तर किया

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर 30 जनवरी । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्यपाल के अभिभाषण का जवाब देते हुए विधानसभा में ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट, अवैध खनन, भ्रष्टाचार, गैंगवार और महिला अपराधों को लेकर विधानसभा में करीब 2 घंटे 8 मिनट तक पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की जमकर पोल खोली। मु.मंत्री के जवाब के बाद विधानसभा की कार्यवाही 8 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

कांग्रेस विधायकों द्वारा पर्ची की सरकार बताने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तंज कसते हुए कहा, "हमारी सरकार न पर्ची की है और न खर्ची की, यह सरकार धरती और धरती पुत्रों की है। पिछली सरकार में बिना सेवा-पानी और बिना खर्ची के कोई काम नहीं होता था। प्रीपेड सेवा चालू हो गई थी, इतने ले आओ..इतने में काम हो जाएगा। बिना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मु.मंत्री ने कहा, सरकार बनने के 45 दिनों में हमने ई.आर.सी.पी. का एम.ओ.यू. साइन किया, कांग्रेस पिछले 5 साल से राजनीति करती रही।
- उन्होंने कहा, पूर्ववर्ती कांग्रेस ने महंगी बिजली और घटिया कोयला खरीदकर प्रदेश का घाटा बढ़ाया, जो कोयला निजी कम्पनियों के प्लांट्स में 75 फीसदी तक बिजली उत्पादन करता था, वह सरकारी प्लांट में 50 फीसदी रिज़ल्ट देता।

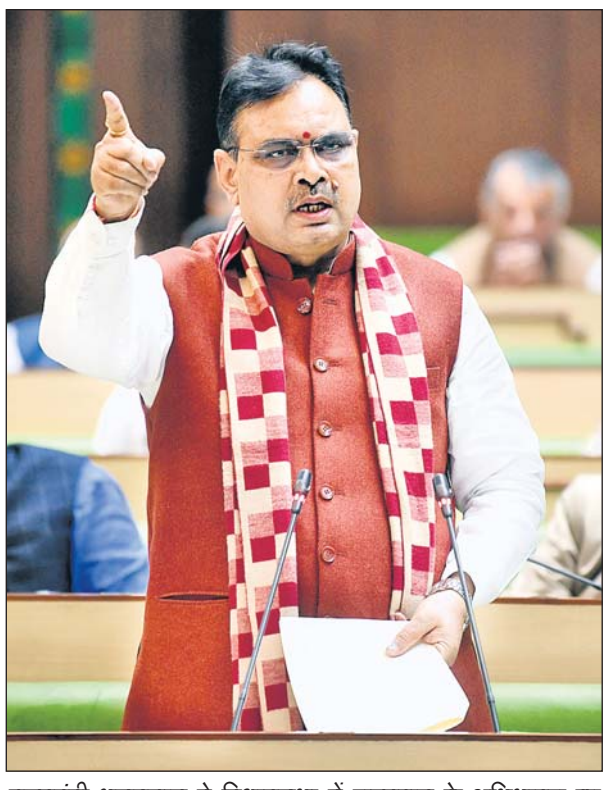

मुख्यमंत्री भजनलाल ने विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण का जवाब दिया और इस दौरान कई घोषणाएं की।

'रिव्यु ऑर्डर्स अलमारी में रखने के लिए नहीं हैं'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में इंटरनैट सेवा बहाल करने के लिए दायर याचिकाओं पर दिए गए समीक्षा आदेश अलमारी में बंद रखने के लिए नहीं है। उन्होंने प्रशासन से इसे प्रकाशित करने के लिए कहा।

जस्टिस बी.आर. गवई और संजय करोल की बैंच ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन की तरफ से मौजूद एडिशनल सॉलिसिटर जनरल के.एम. नटराज इस संबंध में निर्देश लेने के लिए और फिर कोर्ट को जानकारी देने के लिए दो सप्ताह का समय दिया।

बैंच फाउण्डेशन ऑफ मीडिया प्रोफैशनल्स द्वारा दायर याचिका की सुनवाई कर रही थी जिसमें केन्द्रीय गृह सचिव की अध्यक्ष वाली समिति द्वारा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जम्मू कश्मीर में इंटरनैट पर प्रतिबंध से संबंधित रिव्यु ऑर्डर्स को प्रकाशित करने से संबंधित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की।

'हमें नीतीश की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है'

नीतीश कुमार के पाला बदलने पर राहुल गांधी ने पहली और दो टूक टिप्पणी की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा पिछले हफ्ते इण्डिया गठबंधन को त्यागने के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपनी पहली प्रतिक्रिया में जद (यू) सुप्रीमो पर कटाक्ष करते हुए कहा कि "हमें उनकी जरूरत नहीं है।"

नीतीश कुमार को भाजपा की और धकेलने के लिए कथित रूप से जिम्मेदार ठहराए जा रहे राहुल गांधी ने बिहार के पूर्णिया में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान हुई एक रैली में नीतीश कुमार पर पाला बदलने के लिए निशाना साधा और कहा कि विपक्ष के गठबंधन को ऐसा नेता नहीं चाहिए जो थोड़ा सा दबाव पड़ते ही यू-टर्न ले लेता है।

कुमार ने गत सप्ताहांत भाजपा से हाथ मिला लिया था। वह राहुल गांधी की एक टिप्पणी को लेकर प्रकट रूप से नाराज़ थे, जो उन्होंने 13 जनवरी को विपक्ष की एक मीटिंग में की थी।

जद (यू) नेता के नज़दीकी सूत्रों ने बताया था कि "इण्डिया गठबंधन में समन्वयक का पद, जिस पर कुमार की नज़रे थीं, को लेकर राहुल गांधी ने कहा था कि इसके बारे में वह ममता बनर्जी से विचार-विमर्श करेंगे।

सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस नेता से नाराज़ कुमार 10 मिनट पहले मीटिंग छोड़कर चले गए थे। हालांकि, विपक्ष के नेताओं ने इसके कुछ ही समय बाद उन्हें संयोजक पद के लिए चुन लिया था, लेकिन कुमार ने वह ऑफर ठुकरा दिया क्योंकि वह पाला बदलने का मानस बना चुके थे।

कुमार ने एक दशक में पांचवीं बार खेमा बदला है, इसलिए विपक्ष के पास उन पर भरोसा नहीं करने की अपनी वजहें थी। राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मज़ाक उड़ाते हुए एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत पूर्णिया रैली में राहुल गांधी ने नीतीश के बार-बार पाला बदलने का जमकर मज़ाक उड़ाया।
- हालांकि, कहा जा रहा है कि, नीतीश के पाला बदलने के पीछे राहुल गांधी जिम्मेवार हैं। नीतीश शुरू से ही इंडिया गठबंधन के संयोजक बनना चाहते थे, पर इंडिया गठबंधन की गत मीटिंग में जब संयोजक की घोषणा का मुद्दा उठा तो राहुल गांधी ने ममता बनर्जी से चर्चा करने की बात कही।
- बस इसके बाद ही नीतीश कुमार ने पाला बदलने का मानस बना लिया। ज्ञातव्य है कि, नीतीश दस साल में 5 बार निष्ठा परिवर्तन कर चुके हैं।

ई.डी. ने तेजस्वी यादव से 8 घंटे पूछताछ की

पटना, 30 जनवरी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव के रेल मंत्री रहते हुए "नौकरी के बदले जमीन" मामले में उनके पुत्र और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव से मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने करीब आठ घंटे तक पूछताछ की।

ईडी के समन के बाद यादव पूर्वाह्न 11:30 बजे पटना स्थित ईडी कार्यालय पहुंचे । सामान्य औपचारिकताएं पूरी करने के बाद ईडी के 12 अफसरों की टीम ने पूछताछ शुरू की, जो लगभग आठ घंटे तक चली। इस दौरान उनसे करीब 60 सवाल किए गए।

यादव जब बाहर निकले तब पहले से वहां मौजूद उनके समर्थकों ने नारे लगाने शुरू कर दिए। यादव ने भी पूरे जोश के साथ हाथ हिलाया और विक्ट्री साईन दिखाया । इस दौरान ईडी कार्यालय के बाहर उनकी बड़ी, बहन राज्यसभा सांसद मीसा भारती और बड़े भाई पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव के अलावा बड़ी संख्या में राजद के विधायक, पूर्व मंत्री और कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

नौकरी के बदले जमीन घोटाले से जुड़े मामले की जांच ईडी कर रही है। आरोप के अनुसार, लालू प्रसाद यादव ने वर्ष 2004 से 2009 तक, केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील सरकार के शासनकाल के दौरान रेल मंत्री रहते हुए ग्रुप डी श्रेणी में उम्मीदवारों को दी गई नौकरियों के बदले में अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर भूखंडों का निबंधन कराया था । सोमवार को ईडी ने यादव से इस मामले में करीब 10 घंटे तक पूछताछ की थी ।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने कहा कि, रेलवे की नौकरी के बदले लोगों की कीमती जमीन अपने परिजनों के नाम लिखवाने के मामले में लालू प्रसाद यादव और उनके पुत्र तेजस्वी प्रसाद यादव से पूछताछ के दौरान ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) पर दबाव बनाने और अफसरों को डराने के लिए समर्थकों की भारी भीड़ जुटाना राजद के आपराधिक चरित्र का सूचक है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- यह पूछताछ 2004 से 2009 के बीच हुए नौकरी के बदले जमीन घोटाले से संबंधित मामले में की जा रही है।
- कल राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू यादव से भी ई.डी. ने लम्बी पूछताछ की थी।

पूर्णिया रैली में नहीं पहुंचे खड़गे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। कांग्रेस अध्यक्ष, मल्लिकार्जुन खड़गे, खराब मौसम के कारण, बिहार के पूर्णिया में आयोजित रैली में नहीं पहुंच सके। उन्होंने राहुल गांधी को स्वयं के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- खराब मौसम की वजह से रैली में नहीं पहुंच सके कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने राहुल की जोरदार तारीफ की और कहा आज जब लोग छोटे-छोटे लाभ के लिए आत्मा बेच रहे हैं, ऐसे में राहुल ने त्याग, बलिदान और तपस्या का मार्ग चुना है।

चंडीगढ़ में भाजपा के मेयर की जीत को हाई कोर्ट में चुनौती दी आप प्रत्याशी कुलदीप कुमार ने

आम आदमी पार्टी ने मेयर के चुनाव को फर्जी और धोखाधड़ी बताया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। चण्डीगढ़ मेयर के चुनाव में आज भारतीय जनता पार्टी के मनोज सोनकर ने आम आदमी पार्टी के कुलदीप कुमार को हरा दिया। इस जीत को आप के एक पार्षद ने पंजाब एण्ड हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए इसे " सम्पूर्ण धोखाधड़ी व जालसाजी का परिणाम" बताया तथा चुनाव प्रक्रिया रद्द करने की मांग की।

पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह द्वारा आप और कांग्रेस के आठ वोट अमान्य होने की घोषणा आप उम्मीदवार की हार का मुख्य कारण बनी।

भाजपा का सामना कांग्रेस व आप गठबंधन से था। नवगठित विपक्षी गठबंधन इण्डिया एवं एन.डी.ए. के बीच यह पहली प्रतिस्पर्धा थी, जिसके पहले ही बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी गठबंधन छोड़कर एन.डी.ए. में जा चुके हैं। सोनकर को 16 वोट और कुमार को 12 वोट मिले। चुनाव का परिणाम भी नाटकीय था, क्योंकि आठ वोट अमान्य घोषित कर दिए गए, जिसे लेकर आप और कांग्रेस पार्षदों ने भारी विरोध जताया। भाजपा ने 14 पार्षदों के साथ आप को पीछे छोड़ दिया, जिसके पास 13 पार्षद थे और कांग्रेस के पास सात।

चुनाव परिणाम घोषित होने पर आप कन्वीनर व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने भाजपा पर "चीटिंग" का आरोप लगाते हुए चुनाव प्रक्रिया को लेकर असंतोष जताया।

केजरीवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "यदि ये लोग मेयर के चुनाव में इस स्तर तक गिर सकते हैं तो राष्ट्रीय चुनावों में किसी भी हद तक जा सकते हैं।" पूर्व में, चण्डीगढ़ यूनियन टैरिटरी के मेयर के चुनाव, जिसका नियंत्रण केन्द्रीय गृह मंत्रालय के हाथ में है, 18 जनवरी को होने वाले थे। लेकिन, उन्हें इस आधार पर आगे सरका दिया गया कि, पीठासीन अधिकारी बीमार हैं, क्योंकि कांग्रेस व आप के एक साथ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- प्रिसाइडिंग अधिकारी द्वारा आप और कांग्रेस के 8 मतों को अवैध करार दिए जाने के कारण भाजपा के मनोज सोनकर चार मतों से मेयर का चुनाव जीत गए।
- केन्द्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के मेयर का चुनाव 18 जनवरी को होना था पर प्रिसाइडिंग अधिकारी की बीमारी का बहाना बनाकर इसे आगे सरका दिया गया, क्योंकि इसमें आप के जीतने की भारी संभावना थी।
- आप के पार्षद कुलदीप कुमार ने एक स्वतंत्र एजेंसी से सारे फर्जीवाड़े की जांच कराने की मांग की है।

नक्सली मुठभेड़ में तीन जवान शहीद

जगदलपुर, 30 जनवरी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर सीमावर्ती क्षेत्र में पुलिस नक्सली मुठभेड़ में आज तीन जवान शहीद हुए तथा 14जवान घायल हुए। घायल जवानों को बेहतर इलाज के लिए हेलिकाप्टर से रायपुर भेजा जा रहा है। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने रक्षा मंत्रालय के विमान तल पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि जिला सुकमा-बीजापुर की सीमावर्ती क्षेत्र टेकलगुड़ेम गांव में (थाना जगरगुण्डा, जिला सुकमा) नक्सल गतिविधि के ऊपर अंकुश लगाते हुये क्षेत्र की जनता को मूलभूत सुविधा से लाभान्वित करने हेतु आज नवीव सुरक्षा कैम्प स्थापित की गई।

उन्होंने बताया कि, कैम्प स्थापना के पश्चात् जोनागुड़ा-अलीगुड़ा क्षेत्र में गश्त सर्चिंग कर रहे कोबरा, एसटीएफ, डीआरजी बल के ऊपर माओवादी द्वारा फायरिंग की गई। सुरक्षा बल द्वारा भी माओवादी फायरिंग का मुँहतोड़ जवाब देते हुये जवाबी कार्यवाही की गई। सुरक्षा बल के बढ़ ते दबाव को देखकर माओवादी जंगल की आड़ लेकर भाग गये। उक्त मुठभेड़ में 03 जवान शहीद हुये तथा 14 जवान घायल हुये। घायल जवानों की स्थिति खतरे से बाहर है।

केन्द्र सरकार के विभागों में दस लाख पद रिक्त

नयी दिल्ली, 30 जनवरी। युवा कांग्रेस ने कहा है कि देश में बेरोजगारी चरम पर पहुंच गई है और सरकारी क्षेत्र में करीब दस लाख पद खाली पड़े हैं, जिन पर भर्ती के लिए कोई कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।युवा कांग्रेस के मीडिया प्रभारी वरुण पांडे ने मंगलवार को यह जानकारी दी और बताया कि सूचना के अधिकार के तहत मिली जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में लाखों पद खाली पड़े है और बेरोजगारी की मार से बेहाल देश का युवा दर दर की ठोकरें खाने के लिए मजबूर है। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस में आरटीआई विभाग के उपाध्यक्ष आनंद मिश्रा ने सूचना के अधिकार के तहत सरकार से जानकारी मांगी जिसके अनुसार केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में नौ लाख 80 हज़ार से भी ज्यादा पद खाली हैं और सरकार इन पदों को भरने के लिए कोई कदम नहीं उठा रही है।उन्होंने बताया कि रेलवे जैसे महत्वपूर्ण विभाग में दो लाख 93 हजार 943 पद रिक्त हैं जबकि गृह विभाग में एक लाख 43 हज़ार 500 पद खाली हैं।

इसी तरह से देश की सीमाओं से संबंधित सिविल डिफेंस में दो लाख 64 हजार 706 पद खाली हैं जबकि डाक विभाग में 90 हजार पद रिक्त हैं। इसी तरह से विदेश मंत्रालय, कृषि विभाग, खेल एवं युवा मामलों तथा अन्य विभागों में पद रिक्त हैं। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी ने इसको लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला किया और कहा कि 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनी और उन्होंने हर वर्ष दो करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वादा किया था लेकिन नौ साल से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी इन पदों को भरने में विफल रही है।

श्रीनिवास ने कहा कि देश का युवा अब मोदी सरकार के बहकावे में आने वाला नहीं है और आम चुनाव में युवा विरोधी सरकार को उखाड़ फेंकेंगे।

'ज्ञानवापी में मिले शिवलिंग की वैज्ञानिक जांच हो'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। ज्ञानवापी मस्जिद प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट में दायर एक याचिका में हिंदू पक्ष ने कहा है कि हिंदुओं और भगवान शिव के भक्तों और सनातन धर्म को मानने वाले के शिवलिंग की पूजा करते हैं तथा मुस्लिमों के लिए इसका कोई धार्मिक महत्व नहीं है। मुस्लिमों के अनुसार यह कथित रूप

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हिन्दू पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर यह मांग की और कहा कि, शिवलिंग हिन्दुओं के लिए धार्मिक महत्व रखता है मुस्लिमों के लिए नहीं, वे इसे फव्वारा बता रहे हैं।

मुस्लिम नेता से मिल रही चुनौती ने नींद उड़ाई तृणमूल नेतृत्व की

तृणमूल नेतृत्व मुस्लिम वोट बैंक पर अपना नियंत्रण कायम रखने के लिए बहुत ज्यादा चिंतित है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 जनवरी। चौतरफा दबाव में घिरी तृणमूल कांग्रेस अब इस बात को लेकर चिन्तित है कि राज्य के मुस्लिम वोटर्स पर अपनी एकछत्र पकड़ को किस तरह से बरकरार रखा जाए।

तृणमूल, नौशाद सिद्दीक़ी को रोकने का प्रयास कर रही है। वह इण्डियन सैक्यूलर फ्रंट के नेता हैं। यह फ्रंट मूलत: अल्पसंख्यकों का एक संगठन है, जिसका उद्देश्य सत्तारूढ़ कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी के विरूद्ध लोगों को लामबंद करना है। सिद्दीक़ी ने तृणमूल महासचिव के विरूद्ध डायमण्ड हार्बर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने का प्रण किया है।

अभिषेक बनर्जी गत चुनावों से डायमण्ड हार्बर संसदीय सीट से चुनाव लड़ते आए हैं। सत्तारूढ़ तृणमूल उनके विरूद्ध किसी प्रबल विपक्ष को खड़ा करने के सभी प्रयासों को अपनी चालों से निष्फल कर चुकी है।

नौशाद सिद्दीक़ी ने खुलासा किया कि तृणमूल कांग्रेस उनके परिजनों व रिश्तेदारों से सम्पर्क साधकर उन्हें यह समझा रही है कि वह डायमण्ड हार्बर से चुनाव ना लड़े। सिद्दीक़ी ने कहा कि वह यहां से चुनाव लड़ने और तृणमूल महासचिव का मुकाबला करने के अपने निर्णय पर अडिग हैं।

इससे राज्य में तृणमूल कांग्रेस के भविष्य पर भारी असर पड़ेगा, क्योंकि तृणमूल के भावी उत्तराधिकारी को इस मौके पर दी गई कोई प्रभावी चुनौती, समाज के सभी वर्गों का अविवादित नेता होने के पार्टी के दावे की जड़ें हिला सकती हैं।

स्मरण रहे कि भाजपा के कुछ राष्ट्रीय नेताओं को डायमण्ड हार्बर निर्वाचन क्षेत्र में रैलियां संबोधित नहीं करने दी गई थी और तृणमूल के गुण्डों ने उनके काफिलों पर हमले किए थे। कुछ नेताओं ने इस पर कार्रवाई का वादा किया था किन्तु हुआ कुछ भी नहीं।

तथापि, कोई मजबूत मुस्लिम उम्मीदवार इस निर्वाचन क्षेत्र में माहौल बदल सकता है। यहां अधिकांश वोटर मुस्लिम हैं, लेकिन तृणमूल का यह वोट बैंक इन दिनों स्पष्ट रूप से विभाजित हो रहा है। नौशाद सिद्दीक़ी राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में तृणमूल के लिए स्थिति जटिल बना रहे हैं।

सिद्दीक़ी के फ्रंट ने पिछले पंचायत चुनावों में सत्तारूढ़ पार्टी के लिए कोलकाता के निकट बांगुर निर्वाचन क्षेत्र में स्थितियां नाजुक बना दी थीं। तृणमूल ने इस फ्रंट की चुनौतियों को देखते हुए इस क्षेत्र में नौशाद सिद्दीक़ी के नवोदित जनाधार पर भारी हमले किए थे। प्रतिद्वंदी गुटों से ताल्लुक रखने वाले अल्पसंख्यकों और बीसीयों समर्थकों की बांगुर दंगों में मौत हो गई थी।

इस बीच, एक घटना को लेकर राज्य की राजनीति में उबाल आ गया है। कोलकाता से कुछ दूर स्थित नरेन्द्रपुर क्षेत्र के स्कूल पर एक हमला हुआ, जिसमें तृणमूल के कुछ पंचायत नेता भी शामिल थे।

अपराधी तत्व स्कूल के प्रधानाध्यापक से मिलीभगत कर स्कूल परिसर में दाखिल हुए। उन्होंने टीचर्स रूम में ही शिक्षकों की जमकर पिटाई की। स्थानीय गुण्डों द्वारा शिक्षकों की बेरहमी से मारने का वीडियो वायरल हुआ। उसे कुछ स्थानीय टी.वी. चैनल्स पर विस्तृत रूप से दिखाया गया।

पिटाई की तस्वीरों से हमलावरों की पहचान स्पष्ट होती है। शिक्षकों की शिकायत है कि प्रधानाध्यापक ने ही अपराधियों के लिए स्वयं स्कूल गेट खोला था। उसके साथ ही पार्टी के दो पंचायत प्रधानों को भी घटना का आरोपी बताया जा रहा है।

इसके बावजूद, अब तक अपराधियों को गिरफ्तार नहीं किया गया है और उनके बारे में कोई सुराग भी हाथ नहीं लगा है। विपक्षी पार्टियों का कहना है कि राज्य प्रशासन की पहल पर ही ऐसा हो रहा है।

ई.डी. की टीम पर घातक हमला करवाने के मुख्य आरोपी का एक माह बीत जाने के बावजूद कोई सुराग नहीं लगा है। ई.डी. की टीम तृणमूल के एक पंचायत प्रधान और तृणमूल के एक अहम व्यक्ति से पूछताछ करने गई थी। शेख शाहजहां पर राज्य के पूर्व खाद्य मंत्री के साथ मिलीभगत का राशन स्कीम के फण्ड्स की चोरी का आरोप है। ऐसी घटनाएं अब आए दिन हो रही हैं, जिनसे पुलिस की पूर्ण विफलता प्रदर्शित होती है। लोगों पर हमले अब कोई नई बात नहीं है और जैसी कि यहां उम्मीद की जाती है, पुलिस निष्क्रिय बनी हुई है।